RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 096
दि. 04.08.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nakanram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

एक ही दिन में पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह ने राष्ट्रपति मुर्मू से कीं अलग-अलग मुलाकातें, सियासी अटकलें तेज

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की. इस मुलाकात के कुछ ही देर बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी राष्ट्रपति से मिले. इस मुलाकात के बाद सियासी हलचल बढ़ गई है.

राजधानी दिल्ली में स्थित राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है. इस मुलाकात में क्या चर्चा हुई, इसकी जानकारी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है. लेकिन दोनों की मुलाकात को बेहद अहम माना जा रहा है. यह प्रधानमंत्री की यूनाइटेड किंगडम और मालदीव की हालिया यात्रा के बाद राष्ट्रपति से पहली मुलाकात थी. प्रधानमंत्री के मुलाकात के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी शनिवार शाम को राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की.

प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह की मुलाकात ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है. यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है.

चुनाव आयोग ने एक अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव के तारीखों का ऐलान किया है. उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी.

धनखड़ के इस्तीफे के बाद खाली हुआ था पद

21 जुलाई, 2025 को जगदीप धनखड़ ने भारत के उपराष्ट्रपति पद से अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया. मानसून सत्र के पहले दिन की समाप्ति के बाद उन्होंने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति मुर्मू को सौंपा था.

दूसरी ओर, बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) प्रक्रिया को लेकर विवाद चल रहा है. इस प्रक्रिया को लेकर लगातार विपक्ष सवाल उठा रहा है. इस मुद्दे को लेकर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष चर्चा चाहती है, लेकिन सरकार चर्चा करवाने के लिए तैयार नहीं है. इसी कारण संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है.

फि लहाल प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह की राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात का असली कारण अब तक पता नहीं है. हालांकि, मुलाकात ने राजनीतिक गतिविधियों को और तेज कर दिया है.

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में मनाए जा रहे शहरी विकास वर्ष के दौरान महानगरों एवं नगरों में विविध विकास कार्यों के लिए 4179 करोड़ रुपये स्वीकृत किए

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 03 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शहरी परिवेश में परिवर्तन लाने और नागरिकों के सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता के साथ मनाए जा रहे शहरी विकास वर्ष-2025 के अंतर्गत

राज्य की 7 महानगर पालिकाओं और 12 नगर पालिकाओं में बहुविध विकास कार्यों के लिए4179 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में वर्ष 2005 में शहरी विकास वर्ष के माध्यम से नियोजित शहरी विकास की जो नींव रखी थी, उसकी दो दशकों की उपलब्धियों और सफलता के बाद, राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 2025 को शहरी विकास वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस शहरी विकास वर्ष में परिवर्तनशील

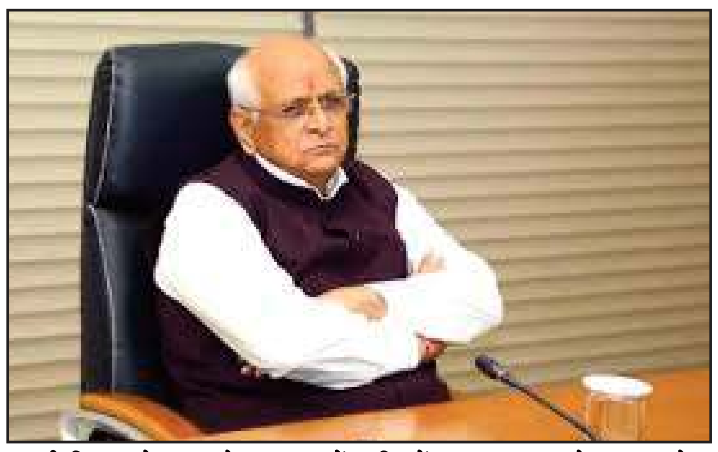

शहरी विकास के लक्ष्य के साथ शहरों में अधिकाधिक जनकल्याणकारी कार्यों के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत 4179 करोड़ रुपये के इन कार्यों को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है।

तदनुसार, यह राशि महानगरों और नगरों के लिए आवंटित की गयी है जिनमें अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, गांधीनगर और नवगठित 3 महानगर पालिकाओं नडियाद , पोरबंदर और मोरबी तथा नगर पालिकाओं में विसनगर, बोरसद, विरमगाम, पाटन, आमोद, ऊना, हलवद, खंभालिया, सावरकुंडला, धानेरा के साथ-साथ वेरावल और पाटणनगर पालिकाओं का समावेश हैं।

मुख्यमंत्री ने इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 3768 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।इसमें वडोदरा महानगर पालिका को अर्बन मोबिलिटी और भौतिक अवसंरचना सुविधाओं के 349 कार्यों के लिए 455 करोड़ रुपये, राजकोट को 302 कार्यों के लिए 367 करोड़ रुपये और अहमदाबाद को 252 कार्यों के लिए 2940 करोड़ रुपये का समावेश हैं।

इसके अलावा, नवगठित पोरबंदर महानगर पालिका में 11 कार्यों के लिए 6.20 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

शहरी विकास वर्ष में महानगरों एवं नगरों-शहरों में आइकॉनिक रोड के अंतर्गत शहरी सड़कों एवं गौरव पथों के निर्माण के लिए कुल 219 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

इसमें मोरबी महानगरपालिका को 15 करोड़, नडियाद महानगरपालिका को 13 करोड़, राजकोट महानगरपालिका को 136 करोड़ तथा नगरपालिकाओं में ऊना को 17.76 करोड़, हलवद को 19.28 करोड़ तथा खंभालिया को 5 करोड़ के कार्यों की सैद्धांतिक मंजूरी मिली है।

मुख्यमंत्री ने जल आपूर्ति लाइनों और वर्षा जल निकासी के लिए स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज कार्यों के लिए कुल 93 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए हैं।

इस राशि में से मोरबी महानगर पालिका को 61.64 करोड़ रुपये, सावरकुंडला नगर पालिका को 19.28 करोड़ रुपये और धानेरा को 11.31 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने नगरों में अनूठी पहचान के कार्यों के लिएपा वेरावल-पाटण नगर पालिका और आमोद नगर पालिका को कुल 14 करोड़ रुपए और निजी सोसायटी जनभागीदारी योजना के तहत विसनगर, बोरसद और विरमगाम को 2.72 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

इतना ही नहीं, आउटग्रोथ क्षेत्र विकास के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना से राजकोट को 80 करोड़ रुपये और पाटन को 2.72 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

71 साल की उम्र में दिग्गज एक्टर माधन बॉब ने ली अंतिम सांस, गंभीर बीमारी बनी वजह

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मातम पसरा हुआ है। वेटरेन एक्टर माधन बॉब का निधन हो गया है। उनकी उम्र 71 वर्ष थी। 2 अगस्त की रात उन्होंने चेन्नई में आखिरी सांस ली। माधन लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। परिवार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि शनिवार को कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें तमिल फिल्मों में उनके हंसमुख चेहरे और स्वाभाविक हंसी के लिए खूब पहचाना जाता था। अभिनेता का वास्तविक नाम एस. कृष्णमूर्ति था। अपने करियर में उन्होंने कई प्रमुख दक्षिण भारतीय सितारों संग काम किया, जिनमें सुपरस्टार रजनीकांत, कमल हासन, अजित कुमार और सूर्या जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी का बाढ़ प्रभावित इलाकों के अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

लखनऊ : 03 अगस्त, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ की स्थिति, आगामी पर्व एवं त्योहारों के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था, ड्रोन परिचालन, हर घर तिरंगा अभियान तथा बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जनपदों के प्रभारी मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी जुड़े थे।

मुख्यमंत्री जी ने बैठक में बाढ़ प्रभावित इलाकों के अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने कई जनपदों के अधिकारियों से सीधा संवाद कर स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को समय से राहत सामग्री वितरित की जाए। राहत सामग्री की गुणवत्ता व मात्रा को रैण्डम चेक किया

जाए। बाढ़ शरणालय में रहने वाले लोगों को पौष्टिक और गर्म खाना उपलब्ध कराया जाए। बाढ़ शरणालयों में महिलाओं के ठहरने के लिए उचित व्यवस्था के साथ उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए और उनके साथ रहने वाले बच्चों के लिए दूध की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित सभी जनपदों में कण्ट्रोल रूम 24ग7 क्रियाशील रहें। जनपद से राहत आयुक्त कार्यालय को हर सूचना प्रतिदिन उपलब्ध करायी जाए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में डॉक्टर्स की टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं, जहां सभी का स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद आवश्यकतानुसार दवा का वितरण किया जाए। रेस्क्यू के लिए बड़ी नावों का इस्तेमाल किया जाए। छोटी-मझोली नावों का प्रयोग न किया जाए। कोई भी व्यक्ति जर्जर भवन में न रहे, अविलम्ब बाढ़ शरणालय में शिफ्ट किया जाए। बाढ़ प्रभावित जनपदों में राहत कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

'सनातन ना होता तो जित्तुद्दीन हो गए होते', जितेंद्र आव्हाड के बयान पर भड़के संजय निरूपम और शाइना

(जीएनएस)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने सनातन धर्म पर एक विवादास्पद बयान दिया है जिस पर सत्ता तारूढ़ महायुति गठबंधन में शामिल पार्टियां भड़क उठी है। जितेंद्र के बयान ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। उनके विवादित बयान पर शिवसेना (शिंदे गुट) की नेता शाइना एनसी और संजय निरुपम और नेतीखी प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों को घेरा है।

आव्हाड के सनातन धर्म पर दिए बयान पर, शिवसेना नेता शायना एनसी ने कहा "विपक्ष के लिए सनातन धर्म की आलोचना करना एक चलन बन गया है। आव्हाड का यह कहना कि सनातन धर्म एक 'विकृत' और 'हिंदू धर्म से अलग' विचारधारा है, उनकी अज्ञानता दशार्ता है। ऐसे बेतुके बयान देकर वे जातिगत उत्पीड़न और सामाजिक बहिष्कार के लिए जिम्मेदार हैं।"

संजय बोले- सनातत होता न होता तो आज जित्तुद्दीन' हो गए होते'

राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता जितेंद्र अव्हाड पर सनातन धर्म को बदनाम करने हेतु कथित तौर पर फजी कहानियाँ सुनाने का आरोप है। इस पर प्रतिक्रिया में, यह तर्क दिया गया है कि यदि सनातन धर्म नहीं होता, तो वे स्वयं अब तक शायद 'जित्तुद्दीन' हो जाते। सनातन का सबसे बड़ा योगदान भारत की सभ्यता, संस्कृति और परंपराओं को हजारों वर्षों से संरक्षित रखने में है। यह भी कहा गया है कि सनातनी न होते तो यह देश कब का 'सऊदी अरब' बन जाता। ऐसे में, सनातन धर्म को 'आतंकवादी' कहना घोर अहसानफरामोशी है।

जितेंद्र आव्हाड क्या कहा था?

गौरतलब है कि शरद पवार गुट वाली एनसीपी के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा था , "सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया।

सनातन धर्म नाम का कभी कोई धर्म था ही नहीं। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। यह वही तथाकथित सनातन धर्म था जिसने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज को उनका राज्याभिषेक नहीं करने दिया। इस सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया।

सावित्रीबाई फुले और अंबेडकर का भी किया जिक्र

इस सनातन धर्म के अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या का प्रयास किया। उन्होंने सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी।" जितेंद्र आव्हाड ने कहा, "इसी सनातन धर्म ने शाहू महाराज की हत्या की साजिश रची। इसने डॉ. बी.आर. अंबेडकर को पानी पीने या स्कूल जाने की भी अनुमति नहीं दी।

स्पाइसजेट के स्टाफ को जमकर पीटने वाला आर्मी ऑफिसर कौन है? 4 जख्मी, जबड़ा तोड़ा-रीढ़ की हड्डी टूटी!

श्रीनगर हवाई अड्डे पर एक चौंकाने वाली घटना में, सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कथित तौर पर स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर हमला कर दिया। यह विवाद अतिरिक्त केबिन बैगेज के शुल्क को लेकर शुरू हुआ, जो हिंसक झड़प में बदल गया। हमले में कर्मचारियों को रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर और जबड़े में गंभीर चोटें आईं। स्पाइसजेट के अनुसार, गुलमर्ग के हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश कुमार सिंह दिल्ली जाने वाली फ्लाइट के लिए चेक-इन कर रहे थे। उनके पास दो केबिन बैग थे, जिनका कुल वजन 16 किलोग्राम था, जो एयरलाइन की 7 किलोग्राम की अनुमत सीमा से कहीं अधिक था।

चिराग पासवान ने एनडीए छोड़ने की अटकलों पर लगाया विराम, बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना एजेंडा भी किया साफ

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में चिराग पासवान के पाला बदलने से लेकर एनडीए से अलग होकर अकेले 243 चुनाव लड़नें की चर्चा भी होती रहती है। केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (आर) प्रमुख के बयान भी लगातार इन अटकलों को बढ़ावा देते रहते हैं। चिराग पासवान ने कुछ दिन पहले ही बिहार में बढ़ते अपराधों पर कहा था कि इस सरकार का हिस्सा होने का दुख है।

हालांकि, अब उन्होंने चुनाव को लेकर अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने एनडीए से अलग होने के दावों पर भी सफाई दी है। चिराग ने कहा है कि वह एनडीए के साथ है और बिहार चुनाव में गठबंधन मजबूती से चुनाव लड़ेगा।

चिराग पासवान ने एबीपी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि एनडीए से अलग होने के दावों में कोई सच्चाई नहीं है। हम पूरी मजबूती के साथ चुनाव की तैयारी कर रहे हैं और एकजुट होकर संग्राम में उतरेंगे। चिराग ने एक बार फिर पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक प्रधानमंत्री हैं, वह गठबंधन से बाहर जाने के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दलों के कुछ लोग निजी स्वार्थ की वजह से ऐसी अफवाहें फैलाते हैं।

चिराग पासवान ने कहा, 'मेरा समर्पण मेरे प्रधानमंत्री के लिए आंख मूंदकर है। जब तक मेरे प्रधानमंत्री हैं, मैं आंख मूंद कर उनके साथ हूं। मैं NDA में था, NDA में हूं और रहूंगा।' उन्होंने इसी इंटरव्यू में अपने महत्वाकांक्षी होने के आरोपों पर भी जवाब दिया।

चिराग पासवान ने कहा, 'जहां तक मेरे महत्वाकांक्षी होने की बात है, तो जीवन में अति महत्वाकांक्षी होना ही आपकी सफलता का आधार है। जब कोई आपके साथ नहीं होता, तब आपका आत्मविश्वास, आपका साथ देता है। मैं महत्वाकांक्षी हूं लेकिन मेरी महत्वाकांक्षा, मेरे गठबंधन से ऊपर नहीं है, हम लोग साथ मिलकर बिहार के विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं।'

तेजस्वी यादव के आरोपों पर भी दिया जवाब

चिराग पासवान ने रक्फ़ पर विपक्षी दलों के आरोपों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास इस वक्त मुद्दे नहीं बचे हैं और वह चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक इकाई पर सवाल उठा रहे हैं।

ओवल टेस्ट में जो रूट के आउट होते ही रुका खेल, पांचवें दिन होगा अब मैच

भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल में पांचवां टेस्ट मैच चार दिनों में समाप्त हो गया। भारतीय टीम ने इंग्लैंड को जीत दर्ज करने के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया। 106 रनों के स्कोर पर कुल 3 विकेट गंवाने के बाद इंग्लैंड ने वापसी की।

इंग्लिश टीम को इस मैच में वापसी कराने का क्रेडिट हैरिक ब्रूक की तूफानी पारी और जो रूट की समझदारी वाली बैटिंग को जाता है। ब्रूक ने ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए भारतीय गेंदबाजों को दबाव में लाने का काम किया और 91 गेंदों में धांसू सैकड़ा जमा दिया।

'हमारे बीच बंद दरवाजे', उद्धव की शिवसेना से हाथ मिलाने के दावे पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दिया जवाब

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और भाजपा के प्रतिनिधित्व वाले गठबंधन को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही। ये अटकलें देवेंद्र फडणवीस द्वारा सार्वजनिक तौर पर दिए गए बयान के बाद तेज हो गई। वहीं अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे के साथ संभावित गठबंधन की अटकलों पर अपनी खुलकर राय रखी है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य की राजनीतिक स्थिति और महायुति सरकार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर खुलकर बात की।

दरअसल, कुछ दिन पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच कथित तौर पर हुई 'बंद दरवाजे' की बातचीत को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज थी। इसकी वजह थी कि पहले विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे की सेवानिवृत्ति के अवसर पर, फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को महायुति में शामिल होने का एक आमंत्रण दिया था, जिसके बाद उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र सीएम से मुलाकात की जिससे अटकलें तेज हो गई थी। इन अटकलों को एकनाथ शिंदे के दिल्ली दौरे ने और हवा दे दी थी।

हालांकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इंडिया टीवी के 'आप की अदालत' कार्यक्रम में इसका जवाब दिया है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रजत शर्मा ने जब इन अफवाहों और गठबंधन की संभावना पर सवाल किया, तो मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया, "सबसे पहले मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि एकनाथ शिंदे बिलकुल भी नाराज नहीं हैं। हमारी सरकार पूरे पांच साल तक चलेगी।"

सम्पादकीय

सेना का भारतीयकरण जरूरी

भारतीय सैन्य अधिकारियों की मुसीबत यह है कि उनकी मानसिकता आज भी अंग्रोजियत के रंग में रंगी हुई है। उन्हें आम नागरिकों से व्यवहार करने का आज भी शालीन तरीका अपनाना अपनी बेइज्जती महसूस होती है। आए दिन सार्वजनिक स्थलों पर सिविल अधिकारियों और नागरिकों से सेना के अधिकारियों की झड़प देखने को मिलती है। रविवार को पता चला कि एक सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल ने अतिरिक्त केबिन सामान को लेकर श्रीनगर हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट के ग्राउण्ड स्टाफ पर हमला करके उसकी रीढ़ की हड्डी को पैक्चर कर दिया तथा जबड़ा तोड़ दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश वुमार सिह की यह उदण्डता 26 जुलाई की है किन्तु इस घटना का खुलासा रविवार को हुआ। झगड़े का कारण था सैन्य अधिकारी के सामान का निाति भार से ज्यादा होना। 7 किग्रा तो वह आसानी से नियमानुसार ले जा सकते थे किन्तु उनका सामान 16 किग्रा निर्धारित भार सीमा से दोगुना से भी ज्यादा। मतलब यह कि अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करके अवैध लाभ लेना चाहते थे। अपने कर्तव्य निर्वहन के लिए स्पाइसजेट के ग्राउण्ड कर्मचारी को सेना के अधिकारी का कोपभाजन बनना पड़ा। यह अच्छा हुआ कि सैन्य अधिकारी के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली किन्तु अभी तक उसे गिरफ्तार न कर पाना इस बात का स्पष्ट प्रामाण है कि अभी भी उस अधिकारी को पुलिस, प्राशासन और उसके पद की प्रातिष्ठा का लाभ मिल रहा है।

दरअसल आज भी भारतीय सेना का सिविलियन के प्राति वैसा ही व्यवहार है जैसा कि 1947 के पहले था। ये अधिकारी अपने निचले स्तर के कर्मियों के साथ भी इसी तरह अमानवीय व्यवहार करते हैं और जब वह कमा यानि सिपाही अपने कम्पनी कमांडर अथवा कमांडिग आफिसर को शिकायत करता है तो उसी के खिलाफ अनुशासनहीनता और अपने अधिकारी को असंतुष्ट करने का आरोप लगता है। आमा के अपने कानून होते हैं और उनकी धाराएं आज भी वही हैं जिन्हें ब्रिटिश शासन के दौरान बनाया गया था। तमाम ऐसे अमानवीय एवं अव्यावहारिक प्रावधान हैं जिन्हें न तो सेना बदलना चाहती है और न ही सरकार को किसी तरह की चिन्ता है। सेना का मानना है कि यदि उन प्रावधानों को खत्म कर दिया जाएगा तो सेना में भी अनुशासनहीनता की भावना आ जाएगी। किन्तु सच तो यह है कि शीर्ष अधिकारी सिपाही स्तर के कर्मियों को अपना गुलाम समझते हैं।

इसका मुख्य कारण यही है कि उन्हें आमा मैन्युअल के मुताबिक संरक्षण मिलता है। शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल सैम बहादुर जैसे को अपना आदर्श मानें तो सैन्य प्रातिष्ठान में भी अधिकारियों के व्यवहार में बदलाव लाना असंभव नहीं है।

यह सच है कि हमारे देश में सेना का बहुत सम्मान है। आम आदमी के दिल में सेना के प्राति जो सम्मान है, वह सेना के लिए बहुमूल्य प्रातिष्ठा का कारण है। इसलिए सेना के अधिकारियों द्वारा जब कभी भी इस तरह की बदतमीजियों की घटना होती है तो भी देश की आम जनता उनके प्राति नरमी ही बरतती है। किन्तु वास्तविकता तो यह है कि जब तक सैन्य तंत्र खुद अपने अधिकारियों को भारतीयता का एहसास नहीं कराएगी, तब तक इस स्थिति से छुटकारा मिलने वाला नहीं है।

लब्बोलुआब यह है कि सरकार को सैन्य मैन्युअल में व्यापक संशोधन करने की जरूरत है और जो अधिकारी सेना के अंदर या बाहर इस तरह की बदतमीजी करे उसे तत्काल स्टेट अथारिटी का एहसास कराए जाने की जरूरत है। उन्हें भी सामान्य न्यायालय में भारतीय न्याय संहिता के तहत अभियोजन का सामना करने के लिए विवश किया जाना चाहिए।

गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर

2023-24 में गुजरात का कुल मत्स्य उत्पादन 9.08 लाख मीट्रिक टन रहा, 2024-25 में 10.37 लाख मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन का अनुमान

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 2025-26 में केंद्र की ओर से गुजरात के लिए 50 करोड़ रुपए की ग्रांट जारी की गई

गांधीनगर, 03 अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश में ब्लू इकोनॉमी विकसित करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था, ह्लहम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर हैं, जहां ब्लू इकोनॉमी, ग्रीन प्लेनेट के निर्माण का एक माध्यम बनेगी ह्व गुजरात में देश की सबसे लंबी 2340.62 किलोमीटर लंबी तटरेखा है, जो देश में ब्लू इकोनॉमी के विकास में अहम योगदान दे सकती है। राज्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करने और मछुआरों को आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने भी विभिन्न प्रोत्साहक पहलें और नीतियां क्रियान्वित की हैं। इसके चलते आज गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

गत 4 वर्षों में गुजरात में औसत वार्षिक मत्स्य उत्पादन 8.56 लाख मीट्रिक

गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। पिछले 4 वर्षों में गुजरात में औसत वार्षिक मत्स्य उत्पादन का आंकड़ा 8.56 लाख मीट्रिक टन रहा है।

वर्ष 2023-24 (अक्टूबर-सितंबर) में राज्य में समुद्री मछली का उत्पादन 7,04,828 मीट्रिक टन और अंतरदेशीय मछली का उत्पादन 2,03,073 मीट्रिक टन था। इस प्रकार, वर्ष 2023-24 में राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 9,07,901 मीट्रिक टन रहा था। वर्ष 2024-25 (अक्टूबर-सितंबर) में राज्य में अनुमानित 7,64,343 मीट्रिक टन समुद्री मछली उत्पादन और 2,72,430 मीट्रिक टन अंतरदेशीय मछली उत्पादन के साथ राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 10,36,773 मीट्रिक टन अनुमानित है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना : 2025-26 में केंद्र की ओर से गुजरात के लिए 50 करोड़ रुपए की ग्रांट जारी

मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता

बढ़ाने तथा मछुआरों की आजीविका में सुधार के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश भर में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) लागू की है। इसके अंतर्गत मत्स्योद्योग के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को केंद्र में रखा गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता से लेकर टेक्नोलॉजी, पोस्ट-हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और मार्केटिंग तक मत्स्य पालन वैल्यू चेन में विद्यमान महत्वपूर्ण खामियों को दूर करने के लिए डिजाइन की गई है। इस योजना का उद्देश्य वैल्यू चेन को आधुनिक और मजबूत बनाना, ट्रेसेबिलिटी बढ़ाना और एक मजबूत मत्स्य पालन प्रबंधन ढांचा स्थापित करने के साथ-साथ मछुआरों का सामाजिक और आर्थिक कल्याण सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गुजरात में वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक विभिन्न घटक परियोजनाओं के लिए भारत सरकार की ओर से कुल 897.54 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। वर्ष 2025-26 के लिए पीएमएमएसवाई के अंतर्गत गुजरात को 50 करोड़ रुपए की ग्रांट आवंटित की गई है। इससे भी राज्य में मत्ध्य पालन की गतिविधियों को गति मिल रही है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास के लिए गुजरात सरकार के प्रयास

गुजरात के 2340.62 किमी लंबे समुद्री तट की संपूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए राज्य सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में अनेक पहल शुरू की हैं, जिनमें डीजल की वेट दर में कमी, केरोसिन और पेट्रोल की खरीद पर सब्सिडी की सुविधा, झींगा मछलियों के पालन के लिए भूमि प्रदान करना, सड़क एवं बिजली की सुविधाएं और छोटे मछुआरों के बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे में सुधार आदि शामिल हैं। इसके साथ ही, माढवाड़, नवाबंदर, वेरावळ-2 और सूत्रापाडा में चार नए मत्स्य बंदरगाहों का निर्माण किया जा रहा है।

चालू वर्ष 2025-26 के लिए राज्य सरकार द्वारा मत्स्योद्योग के विकास के लिए अनेक नई पहल शुरू की गई हैं, जिनमें मत्स्य पालन और उत्पादन के लिए बायोफ्लोक/रीसाक्युर्लेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) की स्थापना में सहायता, झींगा तालाब की पूर्व तैयारी के लिए दवाई, मिनरल तथा भोजन के रूप में दिए जाने वाले प्रोबायोटिक की खरीद पर सहायता, केज कल्चर के लिए सहायता शामिल है। इसके अलावा, आधुनिक बोट बिल्डिंग यार्ड की स्थापना और बोट मालिकों, मत्स्योद्योग सहकारी मंडलियों और मत्स्य व्यापारियों के लिए ब्लास्ट फ्रीजर और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना पर सहायता के साथ-साथ परंपरागत मछुआरों के लिए नाव (रिप्लेसमेंट) और जाल प्रदान करना, मछली उप-उत्पाद प्रसंस्करण इकाई और सी-वीड बैंक की स्थापना तथा झींगा/मछली/केकड़ा हेचरी की स्थापना और सी-वीड कल्चर आदि के लिए भी सहायता (राफ्ट/ट्यूब नेट) दी जाएगी।

आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तानाशाही, बचकाने वत्तव्यों और यू-टर्न वाले वृत्यों से दुनिया भर में उपहास का पात्र बनते जा रहे हैं। ऐसे में आम आवाम को एक बार फिर हरित व्रन्ति की तर्ज पर अमेरिका के सामानों का बहिष्कार करना होगा, स्वदेशी को पूरी तरह स्वीकारना होगा और लिखनी होगी राष्ट्रहित की नई इबारत।

आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ अमेरिका अपने स्लीपर सेल की दम पर समूची दुनिया में सरकारें बदलने का षडयंत्र लम्बे समय से करता आ रहा है।

बांग्लादेश से लेकर श्रीलंका तक, कनाडा से लेकर स्कॉटलैंड तक और मेक्सिको से लेकर यूव्रेन तक अमेरिका ने हमेशा ही सरकार गठन के दौरान हस्तक्षेप किया है।

वह विदेशों में वहां के मीरजाफरों की फौज एकत्रित करता है, उन्हें पैसों की चमक दिखाता है और फिर सरकार विरोधी दलों के साथ सांठगांठ करके अपने षडयंत्र की अमली जामा पहनाने में जुट जाता है।

बांग्लादेश इसका जीता जागता उदाहरण है जहां उसने एक विशेष भू भाग हथियाने का प्रयास किया जिसमें सफल न होने पर वहां के सरकार विरोधियों के सहयोग से अपने पसन्दीदा व्यक्ति को सिहासन पर बैठा दिया। यूव्रेन पर दबाव बनाकर अपने इच्छित समझौते पर हस्ताक्षर करवाने की कोशिश तो अमेरिकी राष्ट्रपति अपने ही घर में कर चुके हैं। अब भारत की बढती अर्थव्यवस्था और

एक विशाल बाजार देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति नित नये फरमान जारी करके दबाव बनाने की जी तोड कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत सम्मानित है। विगत चार सालों में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6 प्रतिशत से अधिक ही रही है। वर्ष 2023 में यह आंकडा 9.2ट्ठ तक जा पहुंच गया था। जबकि अमेरिका की अपनी जीडीपी ग्रोथ रेट वर्ष 2022 से 2025 के मध्य मात्र 3 प्रतिशत से ऊपर ही नहीं गई। अमेरिका की वुल आबादी से लगभग दो गुना लोग तो भारत में केवल नौकरीपेशा ही है। अभी हाल ही में इंटरनेशनल मॉनेटरी पंड यानी आईएमएफ के घोषणा की है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5ट्ठ की दर से बढ़ सकती है जो कि एक उपलब्धि होगी। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारतीय अर्थ व्यवस्था को डेड इकनॉमी बताकर अपनी षडयंत्रकारी प्रवृत्ति का स्वयं ही खुलासा कर दिया है।

भारत के संसदीय सत्र के दौरान ट्रंप ने बयान दिया जिसके आधार पर नेता विपक्ष यानी राहुल गांधी ने तत्काल सरकार को घेरने की अपनी नाकाम कोशिश शुरू कर दी। यह अगल बात है कि उन्हें उनकी ही पाटा के नेताओं ने ही आइना दिखा दिया। टैरिफ की गीदड़ भभकी देने वाले ट्रंप ने 7 अगस्त से अपना फरमान लागू करने की घोषणा कर दी है जिससे 69 देशों सहित पूरा यूरोपीय संघ सीधा प्रभावित हो रहा है। टैरिफ के अनुसार अफगानिस्तान पर 15, एलजीरिया पर 30ट्ठ, अंगोला पर 15ट्ठ, बांग्लादेश पर 20, बोलीविया पर 15, बोस्निया पर 30, हज्रेगोविना पर 30, बोत्सवाना पर 15, ब्राजिल पर 10, ब्रुनेई पर 25, वंबोडिया पर 19, वैमरून पर 15, कोस्टा रिका पर 15, कोटे डी आइवर पर 15, कांगो 15, इक्वेडोर पर 15, इक्वेटोरियल गिनी पर 15, यूरोपीय संघ पर 15, फाकलैंड द्वीप समूह पर 10, फिजी पर 15, घाना पर 15, गुयाना पर 15, आइसलैंड पर 15, भारत पर 25, इंडोनेशिया पर 19, इराक पर 35, इजराइल पर 15, जापान पर 15, जॉर्डन पर 15, कजाखस्तान पर 25, लाओस पर 40, लिसोटो पर 15, लीबिया पर 30, लिकटेंस्टाइन पर 15, मेडागास्कर पर 15, मलावी पर 15, मलेशिया पर 19, मॉरीशस पर 15, मोलदोवा पर 25, मोजाम्बिक पर 15, म्यांमार यानी बर्मा पर 40, नामिबिया पर 15, नाउरू पर 15, न्यूजीलैंड पर 15, निकारागुआ पर 18, नाइजीरिया पर 15, उत्तर मैसेडोनिया पर 15, नॉव्रे पर 15, पाकिस्तान पर 19, पापुआ न्यू गिनी पर 15, फिलिपींस पर 19, स्त्रबिया पर 35, दक्षिण अप्रीका पर 30, दक्षिण कोरिया पर 15, श्रीलंका पर 20, स्विट्जरलैंड पर 39, सीरिया पर 41, ताइवान पर 20, थाईलैंड पर 19, त्रिनिदाद पर 15, टोबैगो पर 15, टूनीशिया पर 25, टका पर 15, युगांडा पर 15, यूनाइटेड किंगडम पर 10, वानुअतु पर 15, वेनेजएला पर 15, वियतनाम 20, जाम्बिया पर 15 तथा जिम्बाब्वे पर 15 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।

सबसे ज्यादा टैक्स रेट वाले देशों में सीरिया को 41, स्विट्जरलैंड को 39, लाओस और म्यांमार को 40, इराक और स्त्रबिया को 35 और लीबिया और अल्जीरिया को 30 प्रतिशत की सीमा में रखा गया हैं जबकि ताइवान, भारत और वियतनाम जैसे अन्य देश 20 से 25 प्रतिशत की सीमा में हैं। इस सबके पीछे भारत का वैश्विक मंच पर बढता कद, स्वदेशी उत्पादन की वृद्धि, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बढता ग्राफ, ब्रिक्स करैन्सी की योजना, रूस के साथ गहरे संबंध, चीन के साथ कायम होता संतुलन, मालदीप जैसे देशों का पुनः जागता भारत प्रेम जैसे अनेक कारण हैं जिनके कारण डोनाल्ड ट्रंप अपनी गिरती साख को बचाने के लिए मुहम्मद तुगलक बनकर एक पागल बादशाह का पर्याय बनते जा रहे हैं। अमेरिका ने पहली बार भारत पर षडयंत्र शस्त्र से आामण नहीं किया है बल्कि इतिहास के पन्नों में उसकी घातक मानसिकता के संदर्भ भरे पडे हैं। सन् 1962 में भारत-चीन युद्ध होने के कारण देश के हालत चिन्ताजनक हो गये थे।

उसके बाद सन् 1965 में भारत को पाकिस्तान से युद्ध करना पड गया। तब अमेरिका से आने वाले अनाज पर ही देश पूरी तरह निर्भर था। ऐसे में युद्ध के मध्य ही अमेरिकी राष्ट्रपति लिडन बेन्स जॉनसन ने भारत को अनाज देने से मना कर दिया था। उसका मानना था कि भारतवासी अब अमेरिका के सामने घुटना टेककर आत्मसमर्पण कर देंगें मगर देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने अपने नागरिकों के साथ मिलकर हरित व्रंति शंखनाद करके अमेरिका के मंसूबों पर पानी पेर दिया था। इसी तरह सन् 1998 में परमाणु परीक्षण के दौरान भी अमेरिका ने भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया किन्तु देश एक बार फिर अपने आत्मविश्वास की दम पर सीना ताने खडा रहा। आज देश में मिसाइलों से लेकर फाइटर जेट तक, कम्प्यूटर से लेकर मोबाइल फोन तक, अत्याधुनिक मशीनरीज से लेकर भारी संयत्रों तक का निर्माण हो रहा है। अंतरिक्ष से लेकर समुद्र की गहराइयों तक में भारत का डंका बज रहा है।

ऐसे में दबाव की राजनीति, दमन का षडयंत्र और पीठ में छुरा भोंकने में माहिर अमेरिका अपनी खोखली धमकियों और देश में स्लीपर सेल के रूप में छुपे मीर जाफरों की दम पर भारत को एक बार फिर झुकाने का मंसूबा पाल बैठा है जो आने वाले समय में आत्मघाती कदम हो सकता है।

आार्यं है कि डेड इकोनामी बताने के बाद भी ट्रंप की ललचाईं नजरें भारत के रुख पर ही जमी हैं।

दुनिया भर के विशेषज्ञों की घोषणाओं, शोध संस्थानों के प्रकाशनों और इंटरनेशनल मॉनेटरी पंड यानी आईएमएफ की रिपोर्ट को नजरंदाज करके अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तानाशाही, बचकाने वत्तव्यों और यू-टर्न वाले वृत्यों से दुनिया भर में उपहास का पात्र बनते जा रहे हैं। ऐसे में आम आवाम को एक बार फिर हरित व्रन्ति की तर्ज पर अमेरिका के सामानों का बहिष्कार करना होगा, स्वदेशी को पूरी तरह स्वीकारना होगा और लिखनी होगी राष्ट्रहित की नईं इबारत।

कोर्ट मैरिज कर दुल्हनिया लेकर घर पहुंचा दूल्हा, पापा ने मार-मारकर निकाला कचूमर

(जीएनएस)।

माता-पिता अपने बच्चों की शादी को लेकर खूब सपने देखते हैं। कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां बन जाती हैं कि पसंद की शादी की वजह से माता-पिता काफी नाराज हो जाते हैं। भारत में आज भी कई पैरेंट्स बच्चों की अपनी मर्जी से शादी और कोर्ट मैरिज से बहुत नाराज होते हैं।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक पिता अपने बेटे की जमकर पिटाई करते दिख रहे हैं। दरअसल लड़का बालिग है और कोर्ट मैरिज कर दूल्हे के कपड़ों में दुल्हन लेकर घर पहुंचता है। हालांकि, पिता बेटे को इस रूप में देखकर आग बबूला हो जाते हैं और उसकी पिटाई शुरू कर देते हैं।

नाराज पिता ने बेटे-बहू को दिखाया बाहर का रास्ता

इस दौरान दूल्हा-दुल्हन की शादी करानेवाला वकील भी साथ में रहता है। वकील पिता से कहता है कि देखिए! लड़का 21 साल का है और इसने कानूनी तौर पर कोर्ट मैरिज कर ली है। लड़का अपने पिता से कहता भी है कि पापा आप घर से मत निकालिए, लेकिन पिता पर कोई असर नहीं होता है। वह बेटे को पीटते हैं और घर से निकालकर दरवाजा बंद कर देते हैं। हालांकि, कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में वीडियो का आधा हिस्सा ही शेयर किया गया है। हकीकत में यह कंटेंट क्रिएटर ने हंसी-मजाक के उद्देश्य से वीडियो बनाया है।

इस वायरल वीडियो को अब तक लाखों व्यूज मिल चुके हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि पिता इस शादी से नाखुश हैं। वकील उन्हें कोर्ट के कागज दिखाता है जिसे वह फाड़ देते हैं। बेटा अपने पिता के पैर भी पकड़ता है, लेकिन वो यही कहते हैं कि यहां नहीं रखेंगे, इस घर से निकलो।

पिता जब अपने बेटे को घर से निकालकर गली में पीट रहे होते हैं तो आसपास के लोग भी नजारा देख रहे होते हैं। पिता बार-बार कहते दिख रहे हैं कि हमको कभी कहा नहीं था कि शादी करने वाला है। इस पर बेटा कहता है कि मैंने मम्मी को बताया था। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स कह रहे हैं कि पिता को ऐसा नहीं करना चाहिए था। एक यूजर ने लिखा कि पिता का रिएक्शन बिल्कुल ठीक है। ऐसे बेटे को घर में जगह नहीं मिलनी चाहिए।

अंकिता लोखंडे के घर पर किसका साया? 'परिवार' के दो लोग गायब! जानें एक्ट्रेस ने किससे लगाई मदद की गुहार?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड और टीवी की मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के घर में उस वक्त सनसनी मच गई, जब उनकी घरेलू सहायिका की बेटी और उसकी सहेली अचानक लापता हो गईं। गुरुवार, 31 जुलाई से लापता इन नाबालिग लड़कियों की तलाश में अंकिता और उनके पति विक्की जैन ने सोशल मीडिया पर भावुक अपील की है।

इस मामले ने न केवल अंकिता के फैंस को चौंका दिया है, बल्कि सुशांत सिंह राजपूत के साये की अफवाहों को भी हवा दे दी है। आखिर क्या है इस रहस्यमयी गायब होने की कहानी? आइए जानते हैं!

क्या हुआ उस दिन?

अंकिता ने इंस्टाग्राम पर एक दिल दहला देने वाली पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी घरेलू सहायिका कांता की बेटी सलोनी और उसकी दोस्त नेहा, 31 जुलाई की सुबह 10 बजे से लापता हैं। दोनों लड़कियों को आखिरी बार मुंबई के वकोला इलाके (सांताक्रूज पूर्व) में देखा गया था। अंकिता ने इन लड़कियों को अपना 'परिवार' बताते हुए कहा, 'हम बेहद परेशान और चिंतित हैं। ये लड़कियां हमारे लिए सिर्फ कर्मचारी नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा हैं।'

पुलिस में दर्ज हुई .एफआईआर, लेकिन कोई सुराग नहीं!

मामले की गंभीरता को देखते हुए मालवणी पुलिस स्टेशन में अपहरण का केस दर्ज किया गया है, क्योंकि दोनों लड़कियां नाबालिग हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। अंकिता और विक्की ने मुंबई पुलिस और आम जनता से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर किसी को इन लड़कियों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो कृपया तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में सूचित करें। आपका समर्थन और प्रार्थनाएं हमारे लिए सब कुछ हैं।' पोस्ट में उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य नेताओं को भी टैग किया।

सुशांत सिंह राजपूत का साया?

यह घटना इसलिए भी सुर्खियों में है, क्योंकि अंकिता का नाम अक्सर उनके पूर्व प्रेमी और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत से जोड़ा जाता रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग इस घटना को रहस्यमयी बताते हुए सुशांत के साये से जोड़ रहे हैं। हालांकि, यह महज अफवाहें हो सकती हैं, लेकिन इसने मामले को और सनसनीखेज बना दिया है।

अंकिता की अपीलः 'वे हमारे परिवार हैं'

अंकिता ने अपनी पोस्ट में भावुक अंदाज में लिखा, 'सलोनी और नेहा हमारे दिल के करीब हैं। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इस खबर को ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, ताकि हमारी बहनें सुरक्षित घर लौट सकें।' अंकिता और विक्की की इस संयुक्त अपील ने फैंस को भी झकझोर दिया है, और लोग सोशल मीडिया पर लगातार इस मामले को वायरल कर रहे हैं।

अंकिता का करियरः लाफ्टर शेफ्स में मचाया धमाल

अंकिता हाल ही में कलर्स टीवी के कॉमेडी शो लाफ्टर शेफ्स - अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आई थीं, जिसका प्रीमियर जनवरी 2025 में हुआ। भारती सिंह द्वारा होस्ट और शेफ हरपाल सिंह सोखी द्वारा जज किए गए इस शो ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। यह शो जियो हॉटस्टार पर भी स्ट्रीम हो रहा है।

आगे क्या?

इस रहस्यमयी घटना ने सभी को हैरान कर दिया है। क्या सलोनी और नेहा सुरक्षित वापस लौटेंगी? क्या इस मामले में कोई नया खुलासा होगा? फिलहाल, अंकिता और विक्की की अपील के बाद मुंबई पुलिस ने जांच तेज कर दी है। अगर आपके पास इन लड़कियों के बारे में कोई जानकारी है, तो तुरंत मुंबई पुलिस से संपर्क करें।

भारतीय टीम एशिया कप नहीं खेलेगी तो बीसीसीआईको कितना नुकसान? विरोध के लिए सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग

(जीएनएस)।

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का वेन्यू सामने आते ही सोशल मीडिया पर उबाल देखने को मिल रहा है। भारत सरकार और बीसीसीआई को जमकर कोसा जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों की याद दिलाई जा रही है।

बड़े-बड़े सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं और बीसीसीआई को खरीखोटी सूना रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में मुकाबला 14 सितम्बर को खेला जाएगा। यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होना है।

शिव सेना उद्धव ग्रुप से सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर लिखा कि हर उस प्रायोजक, ब्रॉडकास्टर और स्ट्रीमिंग ऐप को नाम बताकर शर्मिंदा करें जो इस भारत-पाक मैच से पैसे कमाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि साफ तौर पर इउउकऔर भारत सरकार इस मैच को लेकर बेशर्मी से आगे बढ़ रहे हैं। अब भारतीय नागरिकों की बारी है कि वे अपनी आवाज बुलंद और स्पष्ट करें। मैं सूचना और प्रसारण मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय से मांग करती हूं कि वे सभी स्ट्रीमिंग ऐप्स और ब्रॉडकास्ट चैनलों पर प्रतिबंध लगाएं जो यह भारत-पाकिस्तान मैच लाइव दिखा रहे हैं। क्या वे भी दबाव में झुक जाएंगे?

मशहूर यूट्यूबर अजीत भारती ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए लिखा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर होल्ड पर है? बीसीसीआई को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री को टैग करते हुए लिखा कि आप संसद और रैलियों में 'राष्ट्रवाद' का ढोल पीटते हैं, लेकिन जब सैनिकों की कुर्बानियों का सम्मान करने की बात आती है, तो वही राष्ट्रवाद गायब हो जाता है। क्या राष्ट्रवाद सिर्फ भीड़ को बहकाने और वोट बटोरने का जरिया है?

एशिया कप में इस बार पाकिस्तान को करीब 35 करोड़ की आय होने का अनुमान है और भारत मेजबान देश है। अक्सर भारत अपना राजस्व शेयर छोड़ देता है। भारत अपने हिस्से का राजस्व छोटे देशों में क्रिकेट के विकास के लिए छोड़ता है। बीसीसीआई को इस तरह की रकम छोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा कुछ मौकों पर अपने इंटरव्यू में कह चुके हैं कि एशिया कप से होने वाली आय भारतीय क्रिकेट बोर्ड नहीं लेता है। इसे छोटे देशों में बाँट देता है।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

भारतीय रेल द्वारा तीन नई एक्सप्रेस ट्रेनों भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस; रीवा - पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस और जबलपुर - रायपुर एक्सप्रेस की शुरूआत

मुंबई, विभिन्न राज्यों के बीच रेल संपर्क को सुदृढ़ करने तथा लंबे समय से चली आ रही यात्रियों की मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में, भारतीय रेल द्वारा तीन नई ट्रेन सेवाओं - ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर) - रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुर - जबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया। इन ट्रेनों की उद्घाटन सेवाओं को दिनांक 03 अगस्त, 2025 (रविवार) को मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव; छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय; माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; माननीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जहाँ भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस को भावनगर टर्मिनस स्टेशन से हरी झंडी दिखाई गई, वहीं रीवा - पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस और जबलपुर - रायपुर एक्सप्रेस की उद्घाटन सेवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे।

माननीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। 34,000 किमी से अधिक नई रेलवे लाइनों का निर्माण किया गया है, और प्रतिदिन लगभग 12 किमी नई लाइन बिछाई जा रही है, जो भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार संभव हुआ है। 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास कर उन्हें विश्व स्तरीय बनाया जा रहा है। साथ ही, वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल जैसी आधुनिक ट्रेनें चलाई जा रही हैं और शीघ्र ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भी शुरू की जाएगी।

इसके अलावा, माननीय रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि बहुत शीघ्र वाँसजालिया एवं जेतलसर होते हुए पोरबंदर से राजकोट के बीच एक नई ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी, जिससे क्षेत्र में रेल संपर्क और बेहतर होगा। राणावाव स्टेशन पर ₹135 करोड़ की लागत से एक अत्याधुनिक कोच मेंटेनेंस सुविधा विकसित की जाएगी। सराडीया से वाँसजालिया के बीच नई रेलवे लाइन को भी स्वीकृति दी गई है, जो एक पुरानी मांग रही है। पोरबंदर शहर में भद्रकाली गेट के पास लेवल क्रॉसिंग सं. 3 के स्थान पर यातायात सुगमता हेतु एक नया फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, माल ढुलाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भावनगर शहर में दो गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल स्थापित किए जाएंगे।

भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; माननीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया; तथा माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

भावनगर में नया पोर्ट बनने वाला है, उस पोर्ट में आधुनिक कंटेनर टर्मिनल बनाने का कार्य भी किया जाएगा, जो भावनगर बंदरगाह को देश के प्रमुख बंदरगाहों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों से भी जोड़ेगा, जिससे अखिल भारतीय कंटेनर कार्गो संचालन को गति मिलेगी।

माननीय मंत्री ने यह भी बताया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अनेक रेल परियोजनाएं तीव्र गति से प्रगति पर हैं। मुंबईझअहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना भी तीव्र गति से आगे बढ़ रही है और इसके जल्द चालू होने से इन दोनों शहरों के बीच यात्रा समय केवल 2 घंटे 7 मिनट रह जाएगा।

फोटो कैप्शनः माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, शामपरा स्थित मेसर्स ए.पी.पी.एल. कंटेनर्स लिमिटेड का दौरा करते हुवे दिखाई दे रहे है।

इसके पश्चात, माननीय मंत्री ने शामपरा स्थित मेसर्स ए.पी.पी.एल. कंटेनर्स लिमिटेड का दौरा किया। यह प्रतिष्ठान कंटेनर इकाइयों का एक प्रमुख निमार्ता है और "मेक इन इंडिया" पहल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो भारत की निर्माण क्षमताओं को दशार्ता है और देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है।

फोटो कैप्शनः भावनगर के इस्कॉन क्लब में आयोजित ह्वविकसित भारत संवादह्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव दिखाई दे रहे है।

बाद में, माननीय मंत्री इस्कॉन क्लब, भावनगर में आयोजित ह्वविकसित भारत संवादह्व में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की तीव्र आर्थिक प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत पहल की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि कोविड के बाद जब अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाएं संकट में थीं, भारत ने निवेश आधारित रणनीति अपनाकर 6झ7% की वृद्धि दर को बनाए रखा। उन्होंने बताया कि भारत आज वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन रहा है, पिछले 11 वर्षों में $150 बिलियन मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन हुआ है और भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल उत्पादक देश बन गया है। उन्होंने साणंद और धोलेरा में विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का उल्लेख करते हुए कहा कि भावनगरझ धोलेरा कनेक्टिविटी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। मंत्री ने स्वदेशी संकल्प, एमएसएमई को समर्थन, "मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड" के प्रति प्रतिबद्धता तथा जनसेवा की भावना से किए जा रहे कार्यों को रेखांकित किया।

हाल में प्रारंभ की गई ट्रेनों की नियमित सेवाओं का विवरण इस प्रकार हैः

ड्ट ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 19201 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस दिनांक 11 अगस्त, 2025 से प्रत्येक सोमवार को 13:50 बजे भावनगर टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:30 बजे अयोध्या कैंट पहुँचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 19202 अयोध्या कैंट - भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 12 अगस्त, 2025 से प्रत्येक मंगलवार को 22:30 बजे अयोध्या कैंट से प्रस्थान कर तीसरे दिन (गुरुवार) को 04:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर पार, सिहोर (गुजरात), धोला, बोटाद, लिंबडी, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जं. तथा बाराबंकी स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे उपलब्ध रहेंगे।

नई शुरू की गई ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस, गुजरात और उत्तर प्रदेश के बीच तेज और निर्बाध रेल संपर्क को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ट्रेन भावनगर एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करती है और तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, व्यापार या रोजगार हेतु यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अधिक सुविधा प्रदान करेगी। इस सेवा से न केवल यात्रा समय में कमी आने की अपेक्षा है, बल्कि इसके मार्ग पर व्यापार और पर्यटन को भी उल्लेखनीय बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, यह बेहतर कनेक्टिविटी भावनगर क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

ड्ट ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर) - रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 20151 पुणे (हडपसर) - रीवा एक्सप्रेस दिनांक 07 अगस्त, 2025 से प्रत्येक गुरुवार को 15:15 बजे पुणे (हडपसर) से प्रस्थान कर अगले दिन 17:30 बजे रीवा पहुँचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 20152 रीवा - पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस दिनांक 06 अगस्त, 2025 से प्रत्येक बुधवार को 06:45 बजे रीवा से प्रस्थान कर अगले दिन 09:45 बजे पुणे (हडपसर) पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगाँव, मनमाड, भुसावल, अकोला, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे उपलब्ध रहेंगे।

ड्ट ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुर - जबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 11701 रायपुर - जबलपुर एक्सप्रेस दिनांक 04 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन 14:45 बजे रायपुर से प्रस्थान कर उसी दिन 22:45 बजे जबलपुर पहुँचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 11702 जबलपुर - रायपुर एक्सप्रेस दिनांक 05 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन 06:00 बजे जबलपुर से प्रस्थान कर उसी दिन 13:50 बजे रायपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर तथा मदन महल स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी चेयर कार, चेयर कार तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बों की सुविधा होगी।

भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट उद्घाटक एक्सप्रेस का महेसाणा में भव्य स्वागत

यह पहली ट्रेन है जो मेहसाणा को रामलल्ला की नगरी अयोध्या से जोड़ती है।

अब सोमवार शाम को मेहसाणा वासी इस ट्रेन में जा सकेंगे और मंगलवार को अयोध्या पहुँच कर मंदिर दर्शन कर रात में इसी ट्रेन से वापस लौट सकेंगे।

महेसाणा स्टेशन से माननीय सांसद श्री हरीभाई पटेल एवं महेसाणा से विधायक श्री मुकेशभाई पटेल और खेरालु से विधायक श्री सरदारभाई चौधरी के द्वारा इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया गया।

आज, 3 अगस्त 2025 को भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस का शुभारंभ माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और माननीय राज्य मंत्री उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण श्रीमती निमुबेन जयंतिभाई बांभणिया द्वारा भावनगर टर्मिनस से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इसी क्रम में, अहमदाबाद मंडल के महेसाणा स्टेशन पर भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस के प्रथम आगमन पर एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। यह क्षण महेसाणा वासियों के लिए अत्यंत खास रहा, क्योंकि यह ट्रेन पहली बार उनके

स्टेशन पर पहुँची। इस ट्रेन की माँग महेसाणा क्षेत्र से लंबे समय से लोकसभा सांसद श्री हरिभाई पटेल द्वारा की जा रही थी, जो आज पूरी हुई। उन्होने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी को यह ट्रेन को चलाने के लिए आभार प्रकट किया।

महेसाणा स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा सांसद महेसाणा श्री हरिभाई पटेल, डीआरएम अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश , महेसाणा से विधायक श्री मुकेशभाई पटेल, और खेरालु से विधायक श्री सरदारभाई चौधरी सहित अन्य गणमान्य अथितियों की उपस्थित में इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए प्रस्थान कराया।

यह भावनगर से अयोध्या के लिए शुरू की गई पहली सीधी ट्रेन सेवा है, जो सौराष्ट्र क्षेत्र के साथ-साथ महेसाणा को सीधे उत्तर प्रदेश के पवित्र नगर अयोध्या से जोड़ती है। इस सेवा से महेसाणा और आसपास के यात्रियों को अयोध्या जाने के लिए अब एक सुविधाजनक, सुरक्षित और सीधा रेल यात्रा का विकल्प मिला है। यह ट्रेन क्षेत्र के श्रद्धालुओं और यात्रियों को सीधे अयोध्या तक पहुँचाएगी। अब महेसाणा क्षेत्र के नागरिक अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि के दर्शन हेतु सीधे ट्रेन से यात्रा कर सकेंगे, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी और धार्मिक पर्यटन को भी एक नया आयाम मिलेगा।

महेसाणा स्टेशन पर आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में ऋ्रछटटऋ्र अमूल और दूधसागर डेरी के चेयरमैन श्री अशोक चौधरी, महेसाणा बीजेपी के जिला प्रेसिडेंट श्री गिरीश राजगोर, रेलवे अधिकारियों, स्थानीय नागरिकों और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

क्या भाजपा नीतीश को नहीं बनाएगी सीएम? महागठबंधन में लौटेगा जेडीयू? पप्पू यादव का चुनाव से पहले बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

बिहार में साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ चुका है। मुकाबला इस बार भी ठऊअ बनाम महागठबंधन के बीच कड़ा होने वाला है, लेकिन सवाल अब पहले से कहीं ज्यादा पेचीदा हैं -क्या नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे? क्या तेजस्वी यादव होंगे महागठबंधन का चेहरा? और क्या रणनीतिकार प्रशांत किशोर इस बार कोई राजनीतिक चमत्कार करेंगे?

इन तमाम मुद्दो पर लोकसभा सांसद पप्पू यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कभी जनता अधिकार पार्टी के मुखिया रहे पप्पू यादव फिलहाल कांग्रेस से जुड़े हैं। पप्पू यादव ने बिना लाग-लपेट, सीधा और सटीक अंदाज में कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि भाजपा नीतीश कुमार को आने वाले चुनाव में मुख्यमंत्री पद से हटा दे।

पप्पू यादव ने कहा,

"भाजपा ने कभी भी नीतीश जी को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं किया। नीतीश जी की आज भी एक धर्मनिरपेक्ष छवि है। लेकिन हाल की घटनाएं-जैसे वक्फ कानून में संशोधन पर NDA का समर्थन-ने अल्पसंख्यकों को काफी आहत किया है। जब हमारे नेता राहुल गांधी 65% आरक्षण और जातीय जनगणना की बात करते हैं, तब नीतीश जी चुप हो जाते हैं।"

उन्होंने कहा, "बिहार में BJP की कोई अहमियत नहीं है नीतीश कुमार के बिना। अब एइउ वर्ग को भी समझ में आ गया है कि भाजपा ने उनके नेता को कमजोर कर दिया। इसलिए EBC, SC, ST, OBC और अल्पसंख्यक वोट कांग्रेस की ओर शिफ्ट हो रहे हैं।"

पप्पू यादव बोले- 'नीतीश जी को महागठबंधन में आ जाना चाहिए'

पप्पू यादव ने नीतीश कुमार को फिर से महागठबंधन में शामिल होने का न्योता देते हुए कहा,

"नीतीश जी को महागठबंधन में आ जाना चाहिए, क्योंकि BJP आखिर में उन्हें धोखा ही देगी। मैं व्यक्तिगत रूप से उनका सम्मान करता हूं और सिर्फ मैं ही नहीं हमारे नेता भी उनका सम्मान करते हैं।"

पप्पू यादव ने कहा, "अगर भाजपा को नीतीश की जरूरत है, तो क्या कांग्रेस को बिहार में RJD की जरूरत नहीं हो सकती है। गठबंधन को साथ लेकर चलना जरूरी है। कांग्रेस की भूमिका के बिना बिहार में कोई भी राजनीतिक दिशा तय नहीं की जा सकती।

क्या शाहरुख खान के दामाद बनना चाहते थे 'सैयारा' के अहान पांडे?

सुहाना के साथ था अफेयर? फिर क्यों टूटा रिश्ता?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे के कजिन ब्रदर अहान पांडे अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'सैयारा' को लेकर लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं। अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है और पहली ही मूवी से लोगों के दिलों पर राज करने लगे हैं।

अहान पांडे की 'सैयारा' साबित हुई ब्लॉकबस्टर

आपको बता दें कि मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' रिलीज होने के 15 दिनों के अंदर ही ब्लॉकबस्टर सबित हो गई है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई नए रिकॉर्ड बना लिए हैं। वहीं लड़कियां फिल्म के लीड हीरो अहान पांड को लेकर क्रेजी होती नजर आ रही हैं।

बिजनेसमैन चिक्की पांडे के बेटे हैं अहान पांडे

जानकारी के अनुसार फिल्म 'सैयारा' के लीड हीरो अहान पांडे की उम्र 27 साल है। वह बिजनेसमैन चिक्की पांडे के बेटे हैं। अहान की मां का नाम डिएन पांडे है, जो कि एक फिटनेस एक्सपर्ट और राइटर हैं। अहान पांडे का जन्म मुंबई में ही हुआ था। उन्होंने मुंबई के ओबेरॉय इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है।

अहान पांडे की पढ़ाई, करियर और गर्लफ्रेंड

-इसके बाद अहान पांडे ने यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। जानकारी के अनुसार अहान पांडे बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे के कजिन ब्रदर हैं। अनन्या पांडे के पिता एक्टर चंकी पांडे रिश्ते में अहान पांडे के चाचा लगते हैं। बहन अनन्या पांडे को अपना इंस्पिरेशन मानते हुए ही अहान पांडे भी बॉलीवुड में एक्टिंग करने के लिए उतरे हैं।

-फिल्म 'सैयारा' की सक्सेस के साथ-साथ अहान पांडे की पर्सनल लाइफ को लेकर भी जमकर चर्चा हो रही है। इसी बीच अहान पांडे के साथ श्रुति चौहान का नाम जोड़ा जा रहा है। कहा जा रहा है कि श्रुति चौहान सैयारा के अहान पांडे की कथित गर्लफ्रेंड हैं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन श्रुति द्वारा फिल्म 'सैयारा' के लिए की गई इमोशनल पोस्ट ने इन अटकलों को हवा दे दी है।

कौन हैं श्रुति चौहान?

-आपको बता दें कि श्रुति चौहान एक एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जिन्हें जोया अख्तर की फिल्म 'गली बॉय' में देखा गया था। उस फिल्म में उन्होंने माया का किरदार निभाया था।

-जयपुर की रहने वाली श्रुति चौहान ने ज्योति विद्यापीठ से आर्ट्स की पढ़ाई की है। इसके अलावा वह सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ म्यूजिक वीडियो 'हद से' में भी नजर आ चुकी हैं।

कौन हैं ये मां-बेटी? साथ पास की नीट परीक्षा, अब साथ करेंगी एमबीबीएस की पढ़ाई

(जीएनएस)।

सपनों की कोई उम्र नहीं होती, अगर दृढ़ इच्छा शक्ति और सच्ची लगन हो तो जागती आंखों से देखा सपना जरूर पूरा होता है। ऐसी ही एक मां की प्रेरणादायक खबर सुर्खियां बटोर रही है। 49 वर्षीय मां ने अपनी बेटी के साथ ठएएळ परीक्षा पास करके इतिहास रच दिया है। ठएएळ परीक्षा पास करने के बाद अब ये मां अपनी बेटी के साथ टइइर की पढ़ाई करेंगी। आइए जानते हैं कौन हैं ये मां-बेटी?

ये मां-बेटी की जोड़ी तमिलनाडु के तिरुवरुर जिले की रहने वाली है। मां का नाम अय्यरमुथु अमुथावल्ली है और बेटी का नाम एम. संयुक्ता है। 49 वर्षीय मां अय्यरमुथु अमुथावल्ली को मेडिकल की तैयारी करने की प्रेरणा अपनी बेटी से मिली। डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने में जुट गई और अब बेटी के साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा ठएएळ पास कर मिसाल कायम कर दी है।

कौन हैं ये मां बेटी की जोड़ी?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमूथावल्ली मनिवन्नन फिजियोथेरेपिस्ट हैं और पहले प्राइवेट स्कूल में जीव विज्ञान भी पढ़ा चुकी हैं और शादी के बाद अपनी घर

गृहस्थी संभालने में बिजी थी। मां अमूथावल्ली की बेटी को जब ये पता चला कि उनकी मां का डॉक्टर बनने का सपना वर्षो पहले अधूरा रह गया है है तो बेटी ने मां को प्रोत्साहित किया। बेटी ने मां को बताया कि नीट परीक्षा में बैठने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती तो आप अपना ये सपना पूरा कर सकती हैं।

बेटी बनी प्रेरणा, मां ने रच दिया इतिहास

फिर क्या था बेटी के प्रोत्साहित करने पर मां ने ठान ली और इस कठिन परीक्षा में बैठने का फैसला किया। उन्होंने बेटी के साथ बैठकर घंटों पढ़ाई की, नोट्स बनाए और अपनी कड़ी मेहनत से यह सिद्ध कर दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। नीट में उम्र या कितनी बार प्रवेश परीक्षा में अटेम्प्ट की कोई सीमा नहीं है, जिससे अमुथवल्ली ने लगातार तीन बार प्रयास किया और अपने सपने को पूरा किया।

बेटी ने हर कदम पर दिया साथ

अमूथावल्ली ने बताया, "मुझे वर्तमान पाठ्यक्रम काफी कठिन और उनके स्कूल के दिनों से बहुत अलग लगा। ऐसे में मेरी बेटी मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा बनीं। मैंने उसकी किताबें लीं और परीक्षा की तैयारी की।" संयुक्ता, जो कोचिंग ले रही थी, ने अपनी मां को पढ़ाई के लिए किताबें भी मुहैया कराईं।

अमुथवल्ली के लिए आसान नहीं था सफर

अमुथवल्ली के लिए यह सफर आसान नहीं था। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहले तीन बार NEET की परीक्षा दी, लेकिन सफलता नहीं मिली। अपने इरादे पर अडिग रहते हुए, उन्होंने चौथी बार प्रयास किया और इस बार उन्हें कामयाबी मिली। अमूथावल्ली अपनी बेटी के साथ 'बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति' (PwD) श्रेणी के तहत इसमें शामिल हुईं। काउंसलिंग में उन्होंने अपने गृहनगर तेनकासी के पास विरुधुनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज को अपनी प्राथमिकता बताया था। अमूथावल्ली ने इस परीक्षा में 147 अंक हासिल किए थे।

संयुक्ता अपनी मां को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा मानती हैं। उनका कहना है, "मेरी मां मेरी इंस्पिरेशन हैं।" जब उन्होंने देखा कि उनकी माँ भी उन्हीं की तरह लगन से पढ़ाई कर रही थीं, तो उनका जोश और बढ़ गया।

कौन हैं मथुरा श्रीधरन? अमेरिका में बनीं सॉलिसिटर, बिंदी की वजह से हो रही ट्रोल

(जीएनएस)।

अमेरिका में भारतीय मूल की एक और महिला ने अपने काबलियत का परचम लहराया है। भारतीय मूल की वकील मथुरा श्रीधरन को अमेरिका में सॉलिसिटर जरलत नियुक्त किया गया है। 31 जुलाई को मथुरा को ओहियो के अटॉर्नी जनरल डेव यॉस्ट ने राज्य का सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया था। जिसके बाद से ही मथुरा श्रीधरन को नस्लवादी और अपमानजनक टिप्पणियों का शिकार हो रही हैं।

भारतीय मूल की मथुरा श्रीधरन को सोशल मीडिया पर केवल इसलिए ट्रोल किया जा रहा है क्योंकि वो बिंदी लगाती है। उनके ट्रोल करने वाले उनके ऊपर तरह* तरह के कमेंट करते हुए सवाल उठा रहे है कि आखिर इतना महत्वपूर्ण पद किसी "अमेरिकी" को क्यों नहीं दिया गया।

अटॉर्नी जनरल यॉस्ट ने मथुरा श्रीधरन की तारीफ

मथुरा श्रीधरन को ओहियो के 12वें सॉलिसिटर जनरल के रूप में चुना गया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए, अटॉर्नी जनरल यॉस्ट ने '' पर एक पोस्ट लिखी थी, जिसमें उन्होंने मथुरा को "प्रतिभाशाली" बताया और विश्वास व्यक्त किया कि वह राज्य की अच्छी सेवा करेंगी। उन्होंने लिखा,

"मथुरा प्रतिभाशाली हैं... उन्होंने पिछले साल रउडळवर में अपना तर्क जीता। जिन सॉलिसिटर जनरलों (फ्लावर्स और गैसर) के अधीन उन्होंने काम किया, उन सभी ने उनकी सिफारिश की। हमेशा! उन्हें बढ़ावा देकर उत्साहित हूं। वह ओहियो की अच्छी सेवा करेंगी।"

बिंदी लगाने को लेकर मथुरा श्रीधरन हुई ट्रोल

हालांकि, श्रीधरन को भारतीय होने और बिंदी पहनने के कारण नस्लवादी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। एक कमेंट में पूछा गया, "आप ऐसे महत्वपूर्ण पद के लिए किसी ऐसे व्यक्ति को क्यों चुनेंगे जो अमेरिकी नहीं है?" एक अन्य ने उनकी बिंदी पर टिप्पणी करते हुए कहा, "बिंदी असंगत है, लेकिन अंततः फिर भी दिखाई देती है।"

अटॉर्नी जनरल यॉस्ट ने मथुरा के बचाव में क्या कहा?

इन टिप्पणियों के बाद डेव यॉस्ट ने मथुरा श्रीधरन का बचाव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दावा करना "गलत" है कि मथुरा अमेरिकी नहीं हैं। यॉस्ट ने जोर देकर कहा कि अगर किसी को श्रीधरन का रंग या उनका नाम परेशान करता है, तो समस्या व्यक्ति में है, न कि श्रीधरन में।

यॉस्ट ने कहा, "कुछ कमेंटेटर ने गलत तरीके से दावा किया है कि मथुरा अमेरिकी नहीं हैं। वह संयुक्त राज्य अमेरिका की नागरिक हैं, एक अमेरिकी नागरिक से विवाहित हैं, और प्राकृतिककृत अमेरिकी नागरिकों की संतान हैं। अगर उनका नाम या उनका रंग आपको परेशान करता है, तो समस्या उनके या उनकी नियुक्ति में नहीं है।"

कैरोलिन लेविट कौन हैं? जिनके होंठों पर ट्रंपहो गए लट्टू! तारीफ में बोले-'उनके होंठ ऐसे हिलते हैं जैसे'

(जीएनएस)।

79 वर्षीय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं, और इस बार वजह है उनकी व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट की तारीफ में कही गई अजीबोगरीब बातें! एक इंटरव्यू में ट्रंप ने 27 साल की कैरोलिन की जमकर तारीफ की, लेकिन उनकी टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'वह स्टार बन गई है। वो चेहरा, वो दिमाग, और वो होंठ... जिस तरह वो हिलते हैं, जैसे मशीनगन!' यह सुनकर इंटरनेट पर बवाल मच गया, और लोग इसे 'खौफनाक' और 'गैर-पेशेवर' बता रहे हैं। आखिर कौन हैं कैरोलिन लेविट, जिनके होंठों पर ट्रंप हो गए लट्टू? आइए जानते हैं!

कैरोलिन क्लेयर लेविट (जन्मः 24 अगस्त 1997, न्यू हैम्पशायर) अमेरिका की सबसे युवा व्हाइट हाउस प्रेस सचिव हैं। 27 साल की उम्र में वह ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की पहली और उनकी कुल पांचवीं प्रेस सचिव बनीं। न्यू हैम्पशायर के एटकिंसन में जन्मीं कैरोलिन ने सेंट एंसेलम कॉलेज से पॉलिटिक्स और कम्युनिकेशन में पढ़ाई की। कॉलेज में वह सॉफ्टबॉल खेलती थीं और स्कूल के अखबार 'सेंट एंसेलम क्रायर' के लिए लिखती थीं। उन्होंने व्हाइट हाउस में इंटर्नशिप से अपने करियर की शुरूआत की और 2020 में असिस्टेंट प्रेस सचिव बनीं। 2024 में ट्रंप की कैंपेन में नेशनल प्रेस सचिव के तौर पर काम करने के बाद, नवंबर 2024 में उन्हें व्हाइट हाउस प्रेस सचिव नियुक्त किया गया।

कैरोलिन अपनी कंजर्वेटिव विचारधारा के लिए जानी जाती हैं। वह ट्रंप की नीतियों की कट्टर समर्थक हैं और हाल ही में उन्होंने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग की, दावा करते हुए कि उन्होंने अपने छह महीने के कार्यकाल में 'हर महीने एक शांति समझौता' करवाया है।

ट्रंप की तारीफ ने क्यों मचाया बवाल?

1 अगस्त को न्यूजमैक्स के होस्ट रॉब फिनर्टी के साथ इंटरव्यू में ट्रंप ने कैरोलिन की तारीफ में कहा, 'वह स्टार है। वो चेहरा, वो दिमाग, और वो होंठ... जैसे मशीनगन चल रही हो।' ट्रंप ने यह भी कहा कि कैरोलिन से बेहतर प्रेस सचिव किसी के पास नहीं रहा।

लेकिन उनकी 'होंठ' वाली टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी। यूजर्स ने इसे 'सेक्सिस्ट', 'अजीब', और 'अनप्रोफेशनल' बताया।

एक यूजर ने लिखा, 'अगर कोई बॉस अपनी कर्मचारी के बारे में ऐसा कहे, तो उसे तुरंत लफके सामने लाया जाता!' एक अन्य ने ट्रंप के पुराने दोस्त जेफरी एपस्टीन का जिक्र करते हुए कहा, 'यह बिल्कुल एपस्टीन के दोस्त जैसी बात है।' कुछ ने तो मेलानिया ट्रंप के प्रीनअप की बात तक छेड़ दी, मजाक में कहते हुए, 'क्या मेलानिया अब तलाक की तैयारी कर रही हैं?'

ब्रूक-रूट के शतकों के बाद रुका खेल, खराब लाईट बनी विलेन

(जीएनएस)।

भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल टेस्ट मैच के चौथे दिन का पहला सेशन इंग्लैंड के नाम रहा। हालांकि टीम इंडिया ने इस दौरान विकेट हासिल किये लेकिन बाद में हैरी ब्रूक ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलना शुरू कर दिया और एक आतिशी शतक जमा डाला। जो रूट एक छोर पर अपना स्थान पकड़कर खड़े थे।

बेन डकेट तेजी से बैटिंग करते हुए फिफ्टी जड़कर आउट हो गए। उनको प्रसिद्ध कृष्णा ने 54 के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। उनके बाद कप्तान ओली पोप का विकेट भी गिरा, वह 27 के निजी स्कोर पर आउट हो गए। यहां से ब्रूक ने तूफानी अंदाज दिखाया।

ब्रूक ने लंच से पहले कुछ देर पहले शानदार चौकों से पारी को रफ़्तार दी और लंच के बाद आते ही 39 गेंदों में फिफ्टी जड़कर भारतीय टीम के ऊपर दबाव बना दिया। वह टी20 स्टाइल में खेलते हुए अपना अर्धशतक पूरा करने में सफल रहे।

ब्रूक का साथ जो रूट ने बखूबी दिया और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए शतकीय भागीदारी हो गई। भारतीय टीम के गेंदबाजों पर दबाव बनाने के लिए दोनों ने शॉट खेलते हुए स्कोरबोर्ड चलाने की योजना के तहत काम करते हुए स्कोर 200 पार पहुंचा दिया और रूट ने अपनी फिफ्टी पूरी कर ली।

ब्रूक का बल्ला नियमित चलता रहा और लंच के बाद वह थोड़ी धीमे हुए लेकिन स्ट्राइक रेट 100 से ऊपर का ही रहा, अंततः उन्होंने 91 गेंदों में एक धमाकेदार शतक पूरा कर इंग्लैंड को जीत की तरफ धकेल दिया। ब्रूक और रूट मिलकर स्कोर 301 तक लेकर चले गए, इस बीच आकाश दीप ने ब्रूक को 111 के स्कोर पर आउट कर दिया। ब्रूक के बाद रूट अपना स्कोर आगे बढाते चले गए और करियर का 39वां टेस्ट शतक जमा दिया। इससे भारतीय टीम की हार पक्की हो गई थी, इस बीच रूट 105 पर आउट हो गए और 339/6 के स्कोर पर गेम खराब रोशनी के कारण रोक दिया गया, बाद में तेज बारिश आ गई। अब गेम पांचवें दिन खेला जाएगा, भारत को 4 विकेट चाहिए और इंग्लैंड को 35 रन बनाने होंगे।

गोंडा में दर्दनाक हादसा! नहर में समाई बोलेरो, 11 श्रद्धालुओं की मौत, सीएम योगी का 5-5 लाख मुआवजे का ऐलान

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में रविवार, 3 अगस्त 2025 को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। इटियाथोक थाना क्षेत्र में पृथ्वीनाथ मंदिर जा रही एक बोलेरो गाड़ी अनियंत्रित होकर सरयू नहर में जा गिरी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई, जिसमें सात बच्चे भी शामिल थे। गाड़ी में सवार 15 श्रद्धालु मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे थे।

इस हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिवारों के लिए 5-5 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया है। आइए, इस दुखद घटना की पूरी कहानी....

हादसे की पूरी कहानी

कब और कहां?: 3 अगस्त 2025, सुबह करीब 6 बजे, इटियाथोक थाना क्षेत्र के रेहरा बेलवा बहुता के पास सीहगांव-खरगूपुर मार्ग पर।

क्या हुआ?: 15 यात्रियों से भरी बोलेरो, जिसमें ज्यादातर मोतिगंज क्षेत्र के निवासी थे, पृथ्वीनाथ मंदिर जा रही थी। गाड़ी अनियंत्रित होकर सरयू नहर में पलट गई।

कितनों की मौत?: हादसे में 11 लोगों की मौत, जिनमें सात बच्चे, कुछ महिलाएं, और पुरुष शामिल।

चार लोग घायल, जिनमें ड्राइवर भी शामिल है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, और बाद में गंभीर हालत के कारण गोंडा जिला अस्पताल रेफर किया गया।

क्या कहती है पुलिस?

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस, ठउफ्र्ङ्ग और गोताखोरों की मदद से 11 शव नहर से निकाले गए। रढ गोंडा विनीत जायसवाल ने बताया, "स्थानीय लोगों और पुलिस ने बचाव अभियान शुरू किया। चार लोगों को जिंदा बचाया गया, जिनका इलाज चल रहा है।"

हादसे का कारण

प्रारंभिक जांचः पुलिस के मुताबिक, हादसे की वजह तेज रफ्तार और ड्राइवर का संतुलन खो देना हो सकता है।

पर्यावरणीय स्थितिः बारिश के कारण सड़क गीली थी, जिसने हादसे की संभावना को बढ़ाया।

उउळश फुटेजः पुलिस नहर के आसपास के कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि हादसे की सटीक वजह पता चल सके।

उट योगी ने दी 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे को "अत्यंत दुखद और हृदय विदारक" बताया। उन्होंने पर लिखा, "मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति दें और घायलों को जल्द स्वास्थ्य लाभ मिले। ॐ शांति!" साथ ही सीएम योगी ने मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का ऐलान किया। घायलों के लिए उचित इलाज का निर्देश।

ये हादसा न सिर्फ गोंडा, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक बड़ा झटका है। 11 जिंदगियों का चले जाना और बच्चों की मौत ने हर किसी को गमगीन कर दिया। सवाल ये है-क्या सड़क सुरक्षा के लिए और सख्त कदम उठाए जाएंगे? आपके विचार और संवेदनाएं कमेंट्स में शेयर करें।

ढट मोदी ने जताया दुख, 2-2 लाख रुपये राहत राशी का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

सावन के शनिवार पर करें ये 5 अचूक उपाय, शनि दोष से मिलेगी मुक्ति

(जीएनएस)।

सावन का पावन महीना चल रहा है जो भगवान शिव को समर्पित होता है। इस महीने में भोले बाबा की पूजा की जाती है। साथ ही सावन में शनिवार के दिन खास उपाय करने से कई दोषों से मुक्ति मिलती है। बता दें कि सावन में शनि देव की पूजा और उपाय करना बेहद शुभ होता है क्योंकि इससे शनि दोष, साढ़े साती और ढैय्या जैसी परेशानियों से राहत मिल सकती है।

यदि आपकी कुंडली में शनि अशुभ स्थिति में है, कामों में बार-बार रुकावटें आ रही हैं, या मानसिक/आर्थिक तनाव बना हुआ है तो सावन का शनिवार आपके लिए एक खास मौका है। बस करें ये 5 अचूक और सरल उपाय, और पाएं जीवन में स्थिरता, सफलता और शांति। आइए फिर जानें उन खास और अचुक 5 उपायों के बारे में।

1. काले तिल और सरसों के तेल से करें दीपदान

शनिवार की शाम को पीपल के पेड़ के नीचे या शनि मंदिर में सरसों के तेल में डूबा दीपक जलाएं। उसमें कुछ काले तिल डालें और शनि मंत्र "ॐ शं शनैश्चराय नमः" का 108 बार जाप करें। इससे शनि की क्रूर दृष्टि शांत होती है और शनि देव प्रसन्न होते हैं।

2. शनि देव को चढ़ाएं नीले फूल और काले वस्त्र

सावन के शनिवार को शनि मंदिर जाएं और शनि देव को नीले रंग के फूल, काले कपड़े और तेल अर्पित करें। इससे आपके ऊपर से साढ़े साती और ढैय्या का प्रभाव कम हो सकता है और रुके हुए काम बन सकते हैं। आज शनिवार का दिन है तो अंधेरा होने के पश्चात ये उपाय जरूर कर लें।

3. गरीबों को दान करें काले वस्त्र और तेल

शनि देव सेवा और दान से बहुत प्रसन्न होते हैं। आप शनिवार को काले चने, काले तिल, कंबल या सरसों का तेल किसी जरूरतमंद को दान करें। इससे जीवन की बाधाएं धीरे-धीरे दूर होती हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

4. बंदरों और कुत्तों को भोजन कराएं

शनिवार के दिन काले कुत्ते को सरसों के तेल लगी रोटी या गुड़-चना खिलाना, शनि दोष को कम करता है। साथ ही, बंदरों को केला या चना खिलाना भी शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि शनि देव ऐसा करने से प्रसन्न होते हैं और रास्ते की बाधाएं दूर होती हैं।

5. शनि चालीसा और हनुमान चालीसा का पाठ करें

शनि देव की कृपा पाने के लिए शनिवार को शनि चालीसा और हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें।

हनुमान जी को शनि देव अत्यंत मानते हैं, इसलिए हनुमान पूजा से शनि के दोष शांत होते हैं।

हर घर तिरंगा अभियान आत्मनिर्भर भारत की भावना को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम- योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक बैठक रविवार को राजधानी लखनऊ में स्थित इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में संपन्न हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, हर घर तिरंगा अभियान के राष्ट्रीय सहसंयोजक ऋतुराज सिन्हा, राष्ट्रीय संयोजक चुनाव संपर्क विभाग के ओम पाठक की मौजूदगी में हुई बैठक में पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले हर घर तिरंगा अभियान सहित अन्य संगठनात्मक विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने किया। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय प्रभारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय संयोजक व सहसंयोजक, विधायक, एमएलसी, प्रदेश मोर्चा अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला संयोजक व सहसंयोजक, प्रदेश आईटी संयोजक, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक, प्रदेश मीडिया प्रभारी व सहप्रभारी सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि "हर घर तिरंगा" अभियान केवल झंडा फहराने का आयोजन नहीं, बल्कि जन-जन में राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने का जनआंदोलन है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में लगातार चौथी बार शुरू हुआ है और इसने राष्ट्र चेतना को सशक्त अभिव्यक्ति दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान और हर हाथ में स्वदेशी उत्पाद का मंत्र, आत्मनिर्भर भारत की भावना को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़कर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं, उसके साथ सेल्फी लें, लोगों को इससे जोड़ें और ओडीओपी जैसे स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर स्थानीय शिल्प को प्रोत्साहन दें। यह भारत को आर्थिक रूप से मजबूत करके ब्लैकमेल करने वालों को करारा उत्तर देने का सबसे सशक्त तरीका है।

तेजस्वी यादव को अब चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस, 2 वोटर कार्ड, डिलीटेड नाम को लेकर मांगा जवाब

(जीएनएस)।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद (RJD) नेता तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दो अलग-अलग वोटर आईडी और EPIC नंबर रखने के मामले में निर्वाचन आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किया है और तय समय सीमा के भीतर लिखित जवाब मांगा गया है। दरअसल तेजस्वी यादव ने 2 अगस्त 2025 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि उनका नाम बिहार की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है।

तेजस्वी यादव ने इस दौरान अपना EPIC नंबर RAB2916120 सार्वजनिक रूप से दिखाया और निर्वाचन आयोग की ऐप पर दर्ज करने पर "No Records Fou»»fd" का मैसेज दिखाया। अब आयोग को शक है कि तेजस्वी द्वारा दिखाया गया एढकळ नंबर (RAB2916120) या तो फर्जी है या कभी जारी ही नहीं हुआ। इसी आधार पर आयोग ने तेजस्वी को नोटिस भेजते हुए EPIC कार्ड की जानकारी और मूल प्रति प्रस्तुत करने को कहा है। आयोग ने तेजस्वी से वोटर लिस्ट से हटाए गए नाम पर अपना दावा साबित करने को भी कहा है।

क्या कहा चुनाव आयोग ने नोटिस में?

चुनाव आयोग ने नोटिस में लिखा है, "प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपने दावा किया कि आपका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है और आपने एढकळ नंबर RAB2916120 दिखाया। प्रारंभिक जांच में यह EPIC नंबर वैध प्रतीत नहीं होता। कृपया इस कार्ड की जानकारी और मूल प्रति आयोग को प्रस्तुत करें ताकि इसकी गहन जांच की जा सके।"

चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यह मामला या तो मतदाता सूची में डुप्लीकेट एंट्री का हो सकता है या फिर फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से जुड़ा है। इसी वजह से आयोग इस पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कर रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि जो दूसरा एढकळ नंबर सामने आया है, क्या वह वास्तव में आयोग की ओर से वैध रूप से जारी किया गया था या नहीं।

तेजस्वी यादव को भेजे गए नोटिस में लिखा,

"02 अगस्त 2025 को आपने (तेजस्वी) एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी जिसमें कहा कि आपका नाम बिहार की नई वोटर लिस्ट (ड्राफ्ट वोटर लिस्ट) में नहीं है। इस दावे की जांच के बाद चुनाव आयोग को पता चला कि नाम मतदान केंद्र संख्या 204 (जो कि बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय है) की वोटर लिस्ट में क्रम संख्या 416 पर दर्ज है। उस वोटर आईडी कार्ड का EPIC नंबर है RAB0456228।

क्या मां बनने वाली हैं परिणीति चोपड़ा? 'आप' नेता राघव चड्ढा ने प्रेग्नेंसी को लेकर कही ऐसी बात, जानें सच

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा हाल ही में अपने पति और आप नेता राघव चड्ढा के साथ 'द कपिल शर्मा शो' में मेहमान बनकर पहुंची थीं। इस शो में इस कपल ने कुछ ऐसी बातों का खुलासा किया है जिसे सुनने के बाद लोग हैरान हो गए हैं।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की लव स्टोरी

हाल ही में प्रसारित हुए इस शो के नए एपिसोड में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने अपनी लव स्टोरी से लेकर शादी तक के सफर को बड़े ही दिलचस्प अंदाज में दर्शकों के साथ शेयर किया।

क्या प्रेग्नेंट हैं परिणीति चोपड़ा?

-शो में जब कपिल शर्मा और नवजोत सिंह सिद्धू ने नवविवाहित जोड़े, परिणीति और राघव से मजाकिया अंदाज में पूछा कि गुड न्यूज कब मिल रही है, तो आप नेता ने बड़ा ही प्यारा जवाब दिया। राघव चड्ढा ने मुस्कुराते हुए कहा- बहुत जल्द आपको गुड न्यूज भी दे देंगे। राघव की इस बात पर वहां मौजूद दर्शक और खुद परिणीति भी हैरान रह गईं।

-खास बात ये रही कि राघव चड्ढा ने ये बात शो में केवल एक बार नहीं, बल्कि दो-तीन बार दोहराई। उनके इस बयान के बाद से सोशल मीडिया पर हलचल तेज हो गई है। फैंस के बीच कयासों का दौर शुरू हो गया है कि क्या परिणीति चोपड़ा जल्द मां बनने वाली हैं? हालांकि इस पर अभी तक दोनों में से किसी ने कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

सितंबर 2023 में हुई थी परिणीति और राघव की शादी

-शो में कपिल शर्मा ने राघव चड्ढा से पूछा था कि क्या उनके लिए चुनाव जीतना ज्यादा कठिन है या पत्नी का दिल? इससे पहले कि राघव कुछ बोलते, परिणीति ने जवाब दिया- सबसे मुश्किल तो राघव को उनके काम से दूर करना है। इस पर कपिल ने माकिया लहजे में कहा- इसका मतलब देश के नेता तो काम करना चाहते हैं, लेकिन बीवियां करने नहीं देती हैं।

-आपको बता दें कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी सितंबर 2023 में बड़ी ही धूमधाम से हुई थी। उनकी इस रॉयल शादी में बॉलीवुड से लेकर राजनीति जगत तक की नामचीन हस्तियों ने शिरकत की थी। शादी के बाद से दोनों अक्सर अपने खूबसूरत पलों की झलक सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं।

दोस्ती की सच्ची मिसाल पेश करती हैं बॉलीवुड की ये 5 फिल्में

(जीएनएस)।

फ्रेंडशिप डे हर किसी के दिल के बेहद करीब होता है। चाहे कितनी भी व्यस्तता हो, इस दिन पुराने दोस्त जरूर याद आते हैं। दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है जो बिना किसी स्वार्थ के निभाया जाता है।

3 अगस्त 2025 को फ्रेंडशिप डे मनाया जा रहा है

आज यानी 3 अगस्त 2025 को फ्रेंडशिप डे मनाया जा रहा है। ये खास दिन हर साल अगस्त महीने के पहले संडे को मनाया जाता है। इसी दिन सभी दोस्त मिलकर इन्जॉय करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि असली दोस्ती कैसी होती है?

दोस्ती के ऐसे रंग दिखाती हैं ये फिल्में

इस सवाल का जवाब आपको बॉलीवुड की कुछ चुनिंदा फिल्मों में जरूर मिल जाएगा। कुछ फिल्में दोस्ती के ऐसे रंग दिखाती हैं, जिन्हें देखकर हर कोई कह उठता है- यार, ये तो मेरी कहानी है।

इस बार फ्रेंडशिप डे पर अगर आप अपने दोस्तों से दूर हैं, तो कुछ खास फिल्में जरूर देखें और उन्हें याद करें। इसके अलावा अगर आप इस खास दिन पर अपने दोस्तों के साथ हैं, तो मिलकर ये फिल्में देखना न भूलें, क्योंकि सच्ची यारी सिर्फ फिल्मों में नहीं, असल जिंदगी में भी उतनी ही कीमती होती है।

1. दिल चाहता है (2001)

अगर आपने अब तक फिल्म दिल चाहता है नहीं देखी है, तो इस फ्रेंडशिप डे पर इसे जरूर देखें। तीन दोस्तों की कहानी जो कॉलेज से निकलकर जिंदगी के अलग-अलग मोड़ पर आ जाते हैं। करियर, प्यार, परिवार, सबके बीच उनकी दोस्ती की डोर खिंचती भी है और कभी-कभी टूटती भी दिखती है। लेकिन अंत में वही पुरानी यारी फिर लौट आती है। दोस्ती में ईगो नहीं चलता, यही इस फिल्म का असली मैसेज है। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

2. जाने तू या जाने ना (2008)

बचपन की दोस्ती और उसमें छिपा सच्चा प्यार 'जाने तू या जाने ना' फिल्म की कहानी है। इस फिल्म में इमरान खान और जेनेलिया डिसूजा की जोड़ी काफी खूबसूरत लगती है। फिल्म में दिखाया गया है कि दो बेस्ट फ्रेंड्स जो खुद को कपल नहीं मानते, लेकिन एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। जब जिंदगी उन्हें दूर करती है, तब एहसास होता है कि सच्चा प्यार तो सामने ही था। इस फिल्म की मासूमियत और सादगी आपको अपनी यारी की याद दिला देगी। इसे भी आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

3. सोनू के टीटू की स्वीटी (2018)

फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' में दिखाई गई बचपन की दोस्ती आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। इस फिल्म में एक लड़की इस दोस्ती में दरार डालने की कोशिश करती है।लेकिन जब बात दोस्त और प्यार के बीच चुनाव की आती है, तो टीटू अपने दोस्त सोनू को चुनता है। ये फिल्म दिखाती है कि एक सच्चा दोस्त कभी स्वार्थी नहीं होता, बल्कि दोस्ती की खातिर सब कुछ छोड़ सकता है। इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

4. वीरे दी वेडिंग (2018)

बॉलीवुड में अक्सर लड़कों की दोस्ती पर फिल्में बनी हैं, लेकिन 'वीरे दी वेडिंग' चार लड़कियों की गहरी दोस्ती को दिखाती है। ये चारों अलग-अलग सोच और जीवनशैली की हैं, फिर भी एक-दूसरे के लिए हमेशा खड़ी रहती हैं। मुसीबत हो या खुशी, एक कॉल पर हाजिर हो जाना ही असली यारी होती है, यही संदेश ये फिल्म देती है। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

5. संजू (2018)

अगर आप सच्ची दोस्ती की गहराई महसूस करना चाहते हैं, तो 'संजू' फिल्म में कमली और संजय दत्त की दोस्ती को जरूर देखें। कमली का किरदार ये दिखाता है कि एक अच्छा दोस्त केवल अच्छे वक्त में नहीं, बुरे समय में भी साथ देता है। जब पूरी दुनिया पीठ मोड़ ले, तब अगर कोई खड़ा रहता है, तो वो है सच्चा यार। फिल्म आपको भावुक कर सकती है।